मिला 172 करोड़ का दान, छत्तीसगढ़ में बनेंगे अत्याधुनिक शिक्षा केंद्र

मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन ने आईआईएम और एनआईटी को दिया बड़ा सहयोग

छत्तीसगढ़ में शिक्षा, नवाचार और कौशल विकास के नए युग की शुरुआत : साय

एआई, रोबोटिक्स, ब्लॉकचेन और ग्रीन एनर्जी जैसी तकनीकों का नया गढ़ बनेगा छत्तीसगढ़

2030 तक 10 हजार युवाओं को ट्रेनिंग, 250 स्टार्टअप को सहारा

रायपुर में फाउंडेशन बनाएगा किसानों के लिए देश का सबसे बड़ा प्रशिक्षण केंद्र

नवभारत ब्यूरो । रायपुर। छत्तीसगढ़ में शुक्रवार को शिक्षा, नवाचार और कौशल विकास की तस्वीर बदलने वाला बड़ा कदम उठाया गया है। मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन ने आईआईएम रायपुर और एनआईटी रायपुर को कुल 172 करोड़ रुपए का दान देने की घोषणा की है। इसमें से 101 करोड़ रुपए आईआईएम रायपुर को तथा 71 करोड़ रुपए एनआईटी रायपुर को प्रदान किए जाएंगे। इस राशि से अत्याधुनिक शोध और प्रशिक्षण केंद्र स्थापित होंगे, जो प्रदेश को कोर सेक्टर से आगे बढ़ाकर एआई, रोबोटिक्स, ब्लॉकचेन और ग्रीन एनर्जी जैसी डीप तकनीकों का नया गढ़ बनाने की ओर ले जाएंगे। सबसे अहम, एनआईटी रायपुर में बनने वाला 'श्रीमती मिथिलेश अग्रवाल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' 2030 तक 10,000 युवाओं को ट्रेनिंग देगा, 250 से अधिक स्टार्टअप को 'इनक्यूबेट' करेगा और 5,000 से ज्यादा कुशल नौकरियां पैदा करेगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मौजूदगी में राजधानी स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित विशेष कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन, भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर और मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन के मध्य हुए त्रिपक्षीय एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। >> शेष पेज 6 पर

उच्च शिक्षा के लिए पहली बार इतना बड़ा दान

मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन से एनआईटी और आईआईएम रायपुर को दिए गए 172 करोड़ रुपए के दान के बारे में रविशंकर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. शिव कुमार पांडे का कहना है कि हाल के कुछ दशकों में छत्तीसगढ़ को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में मिला यह सबसे बड़ा दान है। इससे पहले किसी निजी संस्थान ने इतना बड़ा दान छत्तीसगढ़ की किसी शिक्षण संस्था को नहीं दिया है।

'छत्तीसगढ़ अंजोर विजन' को मिलेंगे पंखः साय

राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार में हुए इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा- 'यह समझौता केवल आईआईएम और एनआईटी के छात्रों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि गांव-गांव के युवाओं को प्रेरित करेगा। हम छत्तीसगढ़ को संसाधन-आधारित नहीं, बल्कि नवाचार-आधारित अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने वाला राज्य बनाएंगे।' उन्होंने बताया कि प्रदेश अब सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फार्मा, डिफेंस, एयरोस्पेस और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। बीते 20 महीनों में 350 से अधिक सुधार किए गए और केवल 8 माह में 6.75 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले हैं।

एनआईटी रायपुर को 71 करोड़

'श्रीमती मिथिलेश अग्रवाल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' की स्थापना होगी

2030 तक 10,000 युवाओं की ट्रेनिंग

250+ स्टार्टअप को इनक्यूबेट

5,000+ रोजगार

आईआईएम रायपुर को 101 करोड़

'ओसवाल छात्रावास' (202 कमरे)

'दाऊ राम गोपाल अग्रवाल नॉलेज सेंटर'

6 अंतरराष्ट्रीय एमबीए कार्यक्रम

फाउंडेशन कुल निधि का 10% शिक्षा, कौशल, कृषि में खर्च करेगा

मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन के सह-संस्थापक एवं चेयरमैन रामदेव अग्रवाल ने कार्यक्रम में घोषणा की कि रायपुर में किसानों के लिए देश का सबसे बड़ा प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा- 'हम अपनी कुल निधि का 10% शिक्षा, कौशल और कृषि के लिए समर्पित कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में विकास की अपार संभावनाएं हैं और हम इस यात्रा में पूरी तरह साझेदार हैं।'

Navbharat, 09 August, 2025, 01.